DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

8 May, 2024

भारत में धर्म आधारित आरक्षण

संदर्भ: *इस समय भारत अपने चुनावी वातावरण में, आरक्षण से संबंधित मौलिक संवैधानिक मामलों पर चर्चा में लगा हुआ है।*

➢ **संवैधानिक ढांचा और सकारात्मक कार्रवाई:**

- भारतीय संविधान औपचारिक समानता के बजाय मौलिक समानता पर विशेष बल देता है, जो ऐतिहासिक नुकसान को दूर करने के लिए विशेष प्रावधानों की अनुमति देता है।
- अनुच्छेद 15(4) और 16(4) राज्य को सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षण प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं।

➢ **संविधान में धर्म-आधारित आरक्षण:**

- अनुच्छेद 15 केवल धर्म, जाति, लिंग, नस्ल या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव पर रोक लगाता है।
- आरक्षण को गैर-भेदभाव के अपवाद के बजाय समानता का विस्तार माना जाता है।
- धर्म या जाति की परवाह किए बिना सामाजिक या शैक्षणिक रूप से पिछड़े माने जाने वाले किसी भी समूह के लिए विशेष प्रावधान की अनुमति है।

➢ **धर्म-आधारित आरक्षण के उदाहरण:**

- केरल में, मुस्लिम समुदायों को ओबीसी कोटा के भीतर एक उप-कोटा बनाते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में शामिल किया गया था।
- कर्नाटक ने 1995 में ओबीसी कोटा के तहत मुस्लिम समुदायों के लिए 4% आरक्षण लागू किया है।
- तमिलनाडु ने वर्ष 2007 में ऊंची जाति के मुस्लिम समुदायों को छोड़कर, ओबीसी कोटा के भीतर मुस्लिमों के लिए 3.5% आरक्षण प्रदान किया।
- आंध्र प्रदेश ने मुस्लिम समुदायों को उनके सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर 5% आरक्षण प्रदान करने का प्रयास किया, लेकिन प्रक्रियात्मक मुद्दों के कारण इसे रद्द कर दिया गया।

➢ **कानूनी चुनौतियाँ और सिफ़ारिशें:**

- विभिन्न आयोगों और समितियों, जैसे सच्चर और मिश्रा पैनल (2006 में न्यायमूर्ति राजिंदर सच्चर समिति और 2007 में न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्रा समिति) ने अन्य समुदायों की तुलना में मुस्लिम समुदायों के पिछड़ेपन के आधार पर आरक्षण की सिफारिश की है।
- सामाजिक रूप से पिछड़े मुस्लिम समुदायों की पहचान और विशिष्ट आरक्षण कानूनों की संवैधानिकता को लेकर कानूनी चुनौतियाँ उत्पन्न हुई हैं।

➢ **कुछ प्रमुख निर्णय:**

- **ई पी रोयप्पा बनाम तमिलनाडु राज्य (1973):** उच्चतम न्यायालय के अनुसार समानता एक गतिशील अवधारणा है और इसे पारंपरिक सीमाओं के भीतर सीमित नहीं किया जा सकता है।
- **केरल राज्य बनाम एन एम थॉमस (1975):** आरक्षण को गैर-भेदभाव खंड के अपवाद के बजाय समानता का विस्तार माना जाता है।
- **इंद्रा साहनी बनाम भारत संघ (1992)**: सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण के लिए दिशानिर्देश तय किए, जिसमें यह भी शामिल है कि कोई भी सामाजिक समूह, चाहे उसकी पहचान कुछ भी हो, अगर पिछड़ा पाया जाता है, तो पिछड़ा वर्ग के रूप में माने जाने का हकदार है।
- आरक्षण के माध्यम से कुछ धार्मिक समुदायों के पिछड़ेपन को दूर करने के प्रयासों के बावजूद, कानूनी और प्रक्रियात्मक चुनौतियाँ बनी हुई हैं, जो भारत में सकारात्मक कार्रवाई की जटिल प्रकृति को उजागर करती हैं।

रहने योग्य प्लैनेट रिपोर्ट (Liveable Planet report)

संदर्भ*: यह रिपोर्ट देशों को कृषि-खाद्य प्रणाली में शुद्ध शून्य उत्सर्जन की ओर संक्रमण के दौरान खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध लचीलापन मजबूत करने और संवेदनशील आबादी का समर्थन करने के लिए किये जाने वाले कार्यों का सुझाव देती है।*

➢ **डीजल सिंचाई पंपों को सौर पंपों से बदलने का प्रभाव:**

- भारत के कुल 8.8 मिलियन डीजल सिंचाई पंपों में से एक चौथाई को सौर पंपों से बदलने से कृषि खाद्य उत्सर्जन में वार्षिक रूप से 11.5 मिलियन टन की कमी आ सकती है।
- विश्व बैंक की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, यह कमी वर्ष 2020 में इलेक्ट्रिक वाहनों और सौर पैनलों द्वारा विश्व स्तर पर मापे गए उत्सर्जन से अधिक है।
- अनुमानित वृद्धि के साथ, दुनिया की कृषि खाद्य प्रणाली वार्षिक रूप से लगभग 16 गीगाटन ग्रीनहाउस गैसों (जीएचजी) का उत्सर्जन करती है, जो वैश्विक उत्सर्जन का लगभग एक तिहाई है।

➢ **भारत की कृषि खाद्य प्रणाली में उत्सर्जन स्रोत:**

- भारत में, 60% कृषि-खाद्य उत्सर्जन फार्म हाउस से उत्पन्न होता है, जिसमें पशुधन की अक्षमताओं के कारण आंत्र किण्वन (enteric fermentation) सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।
- भारत के चावल उत्पादन में विश्व स्तर पर कम उत्सर्जन तीव्रता है, इसका उल्लेखनीय उत्सर्जन (4%) भारत के दूसरे सबसे बड़े चावल उत्पादक देश होने के कारण है।

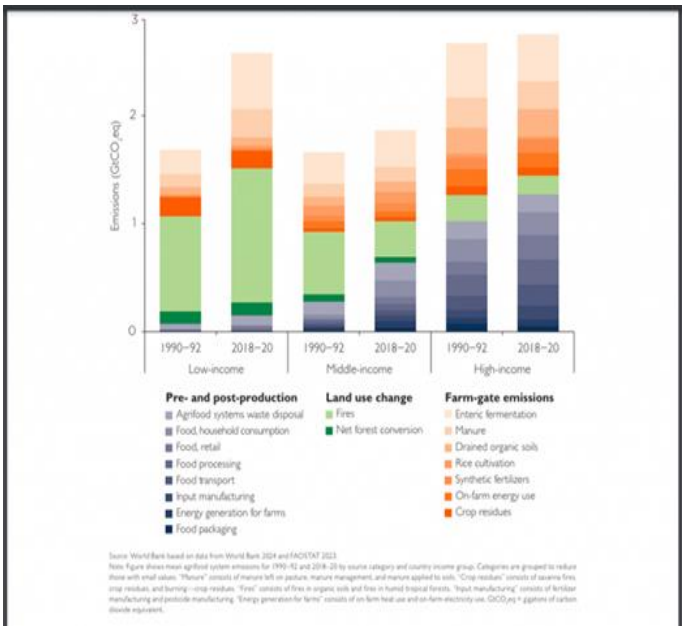

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

➢ **भारत की कृषि खाद्य प्रणाली में नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना:**

- भारत ने दिसंबर 2020 तक 272,000 से अधिक सौर ऊर्जा संचालित सिंचाई प्रणालियां तैनात की हैं, जो इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण उत्सर्जन में कमी की क्षमता को प्रदर्शित करती हैं।
- यह रिपोर्ट बताती है, कि भारत में कृषि क्षेत्र की 80% शमन क्षमता अकेले लागत-बचत उपायों के माध्यम से हासिल की जा सकती है।

➢ **कृषि खाद्य प्रणालियों में शीर्ष उत्सर्जक:**

- चीन, ब्राज़ील, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य आबादी वाले देश शीर्ष कृषि खाद्य प्रणाली उत्सर्जकों में से हैं।
- उच्च आय वाले देशों (एचआईसी) में प्रति व्यक्ति कृषि खाद्य प्रणाली उत्सर्जन सबसे अधिक है, इनके ऐतिहासिक उत्सर्जन भी महत्वपूर्ण है, जैसे अमेरिका के मामले में देखा जा सकता है।

➢ **उत्सर्जन में कमी के लिए निवेश और समाधान:**

- वर्ष 2030 तक कृषि खाद्य उत्सर्जन को आधा करने और वर्ष 2050 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए 260 अरब डॉलर के वार्षिक निवेश की आवश्यकता है।
- इन समाधानों में कम उत्सर्जन वाली खेती के तरीके, वन संरक्षण कार्यक्रम और उच्च उत्सर्जन वाले खाद्य स्रोतों से सब्सिडी को दूर करना भी शामिल है।

➢ **जलवायु लक्ष्यों के लिए विभिन्न रास्ते:**

- उच्च आय वाले देश निम्न और मध्यम आय वाले देशों को कम उत्सर्जन वाली खेती के तरीकों को अपनाने और सब्सिडी में बदलाव करने में सहायता कर सकते हैं।
- मध्यम आय वाले देश स्थायी भूमि उपयोग और हरित प्रथाओं के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन पर अंकुश लगा सकते हैं।
- कम आय वाले देश पिछली गलतियों से बचने और वन संरक्षण सहित हरित अर्थव्यवस्थाओं के लिए जलवायु-स्मार्ट अवसरों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।
- **निवेश के लाभ:** इस दिशा में निवेश से 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का लाभ होगा, जिसमें मानव स्वास्थ्य में सुधार, खाद्य सुरक्षा, नौकरी की गुणवत्ता और जंगलों और मिट्टी में कार्बन प्रतिधारण आदि शामिल है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ECTA

संदर्भ: *भारत और ऑस्ट्रेलिया की व्यापार वार्ता के दौरान, एक ऑस्ट्रेलियाई संसदीय समिति ने सांसदों को अपनी हालिया रिपोर्ट में भारत में व्याप्त बाल श्रम को लेकर चिंता व्यक्त की है।*

➢ **भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) की मुख्य विशेषताएं:**

- भारत ने एक दशक से अधिक समय के बाद किसी प्रमुख विकसित देश के साथ पहला मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर हस्ताक्षर किया है।
- इसमें दोनों देशों के बीच विभिन्न आर्थिक और वाणिज्यिक पहलुओं पर सहयोग किया जान शामिल है।

➢ **समझौते में शामिल क्षेत्र:**

- माल में व्यापार, उत्पत्ति के नियम
- सेवाओं में व्यापार
- व्यापार में तकनीकी बाधाएँ (टीबीटी)
- स्वच्छता और पादप स्वच्छता (एसपीएस) उपाय
- विवाद निपटान, प्राकृतिक व्यक्तियों का आंदोलन
- दूरसंचार, सीमा शुल्क प्रक्रियाएं
- फार्मास्युटिकल उत्पाद, और अन्य क्षेत्रों में सहयोग
- **व्यापार सुधार के लिए संस्थागत तंत्र:** ईसीटीए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापार को बढ़ाने के लिए एक संस्थागत तंत्र प्रदान करता है।

➢ **टैरिफ लाइन कवरेज:**

- समझौते में क्रमशः भारत और ऑस्ट्रेलिया द्वारा निपटाई जाने वाली लगभग सभी टैरिफ लाइनें शामिल हैं।
- भारत को ऑस्ट्रेलिया से अपनी 100% टैरिफ लाइनों पर तरजीही बाजार पहुंच प्राप्त होती है, जिससे रत्न और आभूषण, कपड़ा, चमड़ा, जूते, फर्नीचर आदि जैसे श्रम-गहन क्षेत्रों को लाभ होता है।
- ऑस्ट्रेलिया को भारत से अपनी 70% से अधिक टैरिफ लाइनों पर तरजीही पहुंच प्राप्त है, जिसमें कच्चा माल और कोयला, खनिज अयस्क और वाइन जैसे मध्यस्थ शामिल हैं।

➢ **वीज़ा और कार्य अवसर:**

- भारतीय एसटीईएम स्नातकों को अध्ययन के बाद विस्तारित कार्य वीजा मिलता है।
- ऑस्ट्रेलिया ने युवा भारतीयों को कामकाजी छुट्टियों के लिए वीजा देने का कार्यक्रम शुरू किया है।
- भारतीय योग शिक्षकों और रसोइयों के लिए 1800 का वार्षिक वीज़ा कोटा स्थापित किया गया है।
- **नौकरी सृजन का अनुमान:** ईसीटीए का अनुमान है कि आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के परिणामस्वरूप 10 लाख से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

8 May, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

सुपरप्लास्टिकाइज़र

सुपरप्लास्टिकाइज़र के बारे में:

- सुपरप्लास्टिकाइज़र, जिन्हें हाई रेंज वॉटर रिड्यूसर के रूप में भी जाना जाता है, रासायनिक यौगिक हैं जो लगभग 15% कम पानी के साथ कंक्रीट के उत्पादन में उपयोगी हैं।
- वे पानी के उपयोग को कम करने वाले प्रभावी मिश्रण हैं जिनका उपयोग कंक्रीट की कार्यशीलता बढ़ाने और वांछित गुणों को बनाए रखते हुए पानी की मात्रा को कम करने के लिए किया जाता है।
- वे आम तौर पर सल्फोनेटेड मेलामाइन फॉर्मेल्डिहाइड या सल्फोनेटेड नेफ़थलीन फॉर्मेल्डिहाइड कंडेनसेट होते हैं।
- वे 'प्रवाहित' कंक्रीट के उत्पादन में सहायता करते हैं, विशेष रूप से दुर्गम स्थानों पर रखने के लिए फायदेमंद होते हैं।
- वे सामान्य व्यावहारिकता और कम पानी/सीमेंट अनुपात के साथ उच्च शक्ति वाले कंक्रीट के उत्पादन को सक्षम करते हैं, जिससे बड़े पैमाने पर कंक्रीट संरचनाओं में जलयोजन की गर्मी कम हो जाती है।
- वे सीमेंट कणों के बीच अंतर-कण आकर्षण को कम करते हैं, जिससे कम पानी में बेहतर विस्तार होता है।
- कंक्रीट के प्रदर्शन और स्थायित्व को बेहतर बनाने के लिए पुलों, सुरंगों, बांधों और ऊंची इमारतों सहित विभिन्न निर्माण परियोजनाओं में इनका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।
- वे आधुनिक कंक्रीट प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे बेहतर गुणों और कम पर्यावरणीय प्रभाव के साथ उच्च प्रदर्शन वाले कंक्रीट का उत्पादन संभव हो पाता है।

H5N1

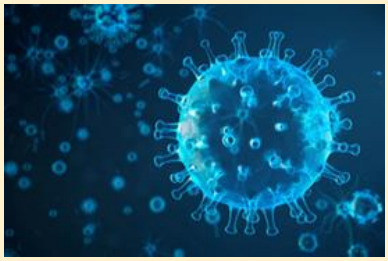

हाल ही में, नए आंकड़ों से पता चला है कि बर्ड फ्लू, विशेष रूप से अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा (एचपीएआई) का एच5एन1 स्ट्रेन, संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग पांच महीनों से गायों के बीच फैल रहा है।

H5N1 के बारे में:

- H5N1 एक अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा (HPAI) वायरस स्ट्रेन है जो मुख्य रूप से पक्षियों को प्रभावित करता है लेकिन मनुष्यों और अन्य स्तनधारियों को भी संक्रमित कर सकता है।
- इसने कई देशों में मुर्गीपालन और जंगली पक्षियों में प्रकोप उत्पन्न कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण आर्थिक नुकसान हुआ है और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए संभावित खतरा पैदा हो गया है।
- वायरस मुख्य रूप से संक्रमित पक्षियों या उनके मल, लार या श्वसन स्राव के संपर्क से फैलता है।
- मानव-से-मानव में संचरण दुर्लभ है लेकिन संभव है, आमतौर पर संक्रमित व्यक्तियों के निकट संपर्क में होता है।
- पक्षियों में, H5N1 संक्रमण गंभीर श्वसन बीमारी, अंडे के उत्पादन में कमी और उच्च मृत्यु दर का कारण बन सकता है।
- मनुष्यों के लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, मांसपेशियों में दर्द, निमोनिया और तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम (एआरडीएस) शामिल हो सकते हैं।

काला सागर

हाल ही में, यूक्रेन की विस्फोटक ड्रोन नौकाओं को काला सागर में छोटे, उच्च गति वाले जहाजों को निशाना बनाते हुए देखा गया है।

काला सागर के बारे में:

- काला सागर, जिसे एक्सिन सागर के नाम से भी जाना जाता है, यूरोप और एशिया के बीच यूरोप के दक्षिणपूर्वी सिरे पर स्थित है।
- यह एक बड़ा अंतर्देशीय समुद्र है जो जॉर्जिया (पूर्व), रोमानिया (पश्चिम), यूक्रेन (उत्तर), रूस (उत्तर पूर्व), तुर्की (दक्षिण) और बुल्गारिया (दक्षिण पश्चिम) सहित छह देशों की सीमा पर है।
- यह पूर्वी यूरोप और पश्चिमी एशिया के बीच स्थित है और इसे एक्सीन सागर के नाम से भी जाना जाता है। काला सागर बोस्पोरस जलडमरूमध्य, मार्मारा सागर और डार्डानेल्स जलडमरूमध्य द्वारा भूमध्य सागर से जुड़ा हुआ है।
- यह केर्च जलडमरूमध्य द्वारा अज़ोव सागर से भी जुड़ा हुआ है।
- इसे डेन्यूब, नीपर और डेनिस्टर नदियों से मीठे पानी का प्रवाह प्राप्त होता है।
- इसमें कई द्वीप हैं, जिनमें सबसे बड़े द्वीप स्नेक आइलैंड (यूक्रेन), ग्रियर्सन द्वीप (तुर्की) और सेंट इवान द्वीप (बुल्गारिया) शामिल हैं।

- अपनी अनूठी भूवैज्ञानिक और जल विज्ञान संबंधी स्थितियों के कारण, काला सागर के गहरे पानी में ऑक्सीजन का स्तर कम होता है, जो विशिष्ट पर्यावरणीय स्थितियों के साथ दुनिया के सबसे बड़े एनोक्सिक बेसिनों में से एक का निर्माण करता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

स्कॉटलैंड

हाल ही में, स्कॉटलैंड को कई वर्षों में अपना दूसरा नेता मिला, क्योंकि संसद ने राजनीतिक दिग्गज जॉन स्वाइनी को प्रथम मंत्री के रूप में देश का नेतृत्व करने की मंजूरी दे दी।

स्कॉटलैंड (राजधानी: एडिनबर्ग)

अवस्थिति : स्कॉटलैंड यूनाइटेड किंगडम का एक स्वायत प्रदेश है, जो ग्रेट ब्रिटेन के उत्तरी भाग में स्थित है।

भौगोलिक सीमाएँ: स्कॉटलैंड अपनी सीमाएँ अटलांटिक महासागर (उत्तर और पश्चिम), उत्तरी सागर (पूर्व और उत्तर-पूर्व) और आयरिश सागर और इंग्लैंड (दक्षिण) के साथ साझा करता है।

भौतिक विशेषताऐं:

- स्कॉटलैंड का सबसे ऊँचा स्थान बेन नेविस है, जो स्कॉटिश हाइलैंड्स में फोर्ट विलियम शहर के पास स्थित है।
- स्कॉटलैंड की कुछ प्रमुख नदियों में टे नदी, क्लाइड नदी, स्पाई नदी, डी नदी और ट्वीड नदी शामिल हैं।
- स्कॉटलैंड में कोयला, तेल, प्राकृतिक गैस, चूना पत्थर, बलुआ पत्थर और ग्रेनाइट सहित विभिन्न खनिज संसाधन हैं।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में 26वीं आसियान-भारतीय वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक कहाँ आयोजित की गई? – **नई दिल्ली**
- हाल ही में खबरों में रहा 'MQ-9B प्रीडेटर' क्या है? – **उच्च ऊंचाई वाले मानव रहित हवाई वाहन**
- हाल ही में, किस देश ने उज्बेकिस्तान को हराकर पुरुष एएफसी अंडर-23 एशियाई कप 2024 जीता? – **जापान**
- हाल ही में जोस राउल मुलिनो को किस देश का नया राष्ट्रपति चुना गया है? – **पनामा**
- हाल ही में किस परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी ने भारत का पहला निफ्टी नॉन-साइक्लिकल इंडेक्स फंड लॉन्च किया है? – **ग्रो म्युचुअल फंड**